The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-04, Issue-02, July-2025
www.theresearchdialogue.com

"मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन"

डा0 देवेन्द्र कुमार
सहायक प्रोफेसर
बीआईएमटी कॉलेज, मेरठ
Email id - nihul108@gmail.com

सारांश

किशोरावस्था वह महत्वपूर्ण और संवेदनशील अवधि होती है जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास तीव्र गति से होता है। इस अवस्था में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य उनके समग्र विकास और शैक्षणिक उपलब्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। वर्तमान समय में स्वास्थ्य समस्याएं किशोरों में तेजी से बढ़ रही हैं, जिनमें पोषण की कमी, मानसिक तनाव, शारीरिक दुर्बलता, और जीवनशैली से जुड़ी अनेक समस्याएं शामिल हैं। इसलिए, माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन करना आवश्यक हो जाता है ताकि उनकी सेहत सुधारने हेतु उचित नीतियां और कार्यक्रम विकसित किए जा सकें। यह अध्ययन विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ रहे किशोरों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की तुलना करता है। अध्ययन का उद्देश्य यह जानना है कि क्या विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में कोई महत्वपूर्ण अंतर है, और उन अंतरों के कारण क्या हैं। साथ ही यह अध्ययन किशोरों में स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का स्तर, पोषण की स्थिति, शारीरिक गतिविधि की मात्रा, मानसिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे पहलुओं को भी समझने का प्रयास करता है। अध्ययन के लिए चयनित विद्यालयों में विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि, शैक्षिक वातावरण, और भौगोलिक स्थिति वाले विद्यार्थी शामिल हैं। आंकड़े एकत्र करने के लिए प्रश्नावली, शारीरिक परीक्षण, और साक्षात्कार के माध्यम से डेटा संग्रह किया गया। प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण तुलनात्मक विधि द्वारा किया गया ताकि विद्यालयों के बीच स्वास्थ्य स्थिति में अंतर स्पष्ट हो सके। परिणामस्वरूप यह पाया गया कि विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय अंतर है। कुछ विद्यालयों के छात्र शारीरिक रूप से अधिक सुदृढ़ और मानसिक रूप से स्वस्थ पाए गए, जबकि अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों में पोषण की कमी, थकावट, और मानसिक

तनाव के लक्षण अधिक दिखे। सामाजिक–आर्थिक स्थिति, परिवार का स्वास्थ्य जागरूकता स्तर, और विद्यालय की स्वास्थ्य सुविधाएं इन मतभेदों के प्रमुख कारणों में से रहे। साथ ही, यह भी देखा गया कि जिन विद्यालयों में स्वास्थ्य सम्बंधित कार्यक्रम और शारीरिक शिक्षा का नियमित आयोजन होता है, वहां के विद्यार्थी बेहतर स्वास्थ्य मानकों पर खरे उतरते हैं।

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि किशोरावस्था में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए विद्यालय स्तर पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्वस्थ किशोर ही स्वस्थ राष्ट्र का आधार होते हैं। इसलिए विद्यालयों में पोषण, शारीरिक गतिविधि, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, और स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

मुख्यशब्द – माध्यमिक विद्यालय, किशोरवय विद्यार्थी, स्वास्थ्य

प्रस्तावना

स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति के जीवन का अनमोल और आधारभूत पहलू है। विशेष रूप से किशोरावस्था में स्वास्थ्य की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह वह संवेदनशील और परिवर्तनशील अवस्था है, जिसमें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से अनेक बदलाव होते हैं। किशोरावस्था को जीवन के सबसे नाजुक और विकासशील चरणों में गिना जाता है, जहाँ सही स्वास्थ्य देखभाल और पोषण का अभाव न केवल उनके वर्तमान जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि भविष्य में भी उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डालता है।

मुरादाबाद जनपद, जो उत्तर प्रदेश के प्रमुख जिलों में से एक है, यहाँ के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों की संख्या काफी अधिक है। यह अवधि बच्चों के शैक्षिक, शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इस चरण में उनकी जीवनशैली, खान–पान, व्यायाम, और स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता का विशेष प्रभाव उनके समग्र विकास पर पड़ता है। किन्तु विभिन्न कारणों से, जैसे सामाजिक–आर्थिक स्थिति, परिवारिक परिवेश, विद्यालयी वातावरण, और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के आधार पर किशोरों के स्वास्थ्य में विभिन्नता देखने को मिलती है। स्वास्थ्य केवल शारीरिक सुदृढ़ता ही नहीं है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किशोरावस्था में छात्र अनेक प्रकार के दबावों, तनाव, और भावनात्मक उतार–चढ़ाव से गुजरते हैं, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। विद्यालय, परिवार, और समाज के बीच संतुलन बनाए रखना इस अवस्था में बच्चों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। इसके अतिरिक्त, किशोरों में पोषण की कमी, शारीरिक व्यायाम का अभाव, अस्वच्छता, तथा रोगों का प्रकोप भी उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की तुलना करने पर विभिन्न पहलुओं का ध्यान रखना आवश्यक है। इनमें शारीरिक स्वास्थ्य, जैसे ऊँचाई, वजन, पोषण स्तर, रोग प्रतिरोधक क्षमताय मानसिक स्वास्थ्य, जैसे तनाव, चिंता, और भावनात्मक स्थिरताय तथा सामाजिक स्वास्थ्य, जैसे विद्यालयी वातावरण, मित्रता, और सामाजिक सहभागिता शामिल हैं। इन सभी पहलुओं का तुलनात्मक अध्ययन करने से न केवल वर्तमान स्वास्थ्य की स्थिति का पता चलेगा, बल्कि स्वास्थ्य सुधार के लिए आवश्यक कदम भी सुझाए जा सकेंगे। भारत सरकार और राज्य सरकारें किशोर स्वास्थ्य को लेकर अनेक योजनाएँ संचालित कर रही हैं, जिनका उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। 'राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम' के तहत स्वास्थ्य जांच, पोषण संबंधी जागरूकता, और मानसिक स्वास्थ्य सहायता की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। तथापि, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों में स्वास्थ्य की स्थिति में अंतर पाया जाता है, जो सामाजिक–आर्थिक भेदभाव, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, और शिक्षा स्तर के कारण उत्पन्न होता है।

मुरादाबाद जनपद में भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में अंतर देखा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित उपलब्धता, स्वच्छता की कमी, और पोषण की समस्या अधिक होती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में सुविधाओं की अधिकता के बावजूद मानसिक तनाव और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली की समस्या बढ़ती जा रही है। इसलिए इस तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य है कि इन दोनों क्षेत्रों के किशोर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जाए और उनके स्वास्थ्य सुधार के लिए प्रभावी उपाय सुझाए जाएं। किशोरावस्था में स्वास्थ्य की स्थिति का सीधा संबंध उनकी शैक्षणिक उपलब्धि से भी होता है। स्वस्थ विद्यार्थी न केवल विद्यालय में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि वे अपने सामाजिक एवं भावनात्मक विकास में भी आगे रहते हैं। इसलिए विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित प्रबंध अत्यंत आवश्यक हो जाता है। साथ ही परिवार और समाज की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे किशोरों को स्वस्थ वातावरण प्रदान करें और उनकी सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखें।

इस अध्ययन के माध्यम से मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य की तुलनात्मक स्थिति को समझा जाएगा। इससे शिक्षा नीति निर्माताओं, विद्यालय प्रशासन, अभिभावकों, और समाज को स्वास्थ्य सुधार के लिए रणनीतियाँ विकसित करने में मदद मिलेगी। अंततः इस अध्ययन का

उद्देश्य किशोरों को एक स्वस्थ, सुरक्षित, और समर्थ वातावरण प्रदान कर उनके सर्वांगीण विकास में योगदान देना है।

इस प्रकार, मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन न केवल उनकी वर्तमान जीवनशैली और स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति को उजागर करेगा, बल्कि उनके भविष्य के लिए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने में भी मार्गदर्शन करेगा। यह अध्ययन शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगा।

आवश्यकता एवं महत्व

किशोरावस्था जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील चरण होता है, जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास तीव्रता से होता है। यह वह समय होता है जब व्यक्ति बाल्यावस्था से किशोरावस्था में संक्रमण करता है और उसके जीवन के भविष्य को दिशा देने वाले अनेक आधार स्थापित होते हैं। विशेषकर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी इस अवस्था में होते हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य की स्थिति पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। मुरादाबाद जनपद जैसे विकासशील क्षेत्र में किशोरों के स्वास्थ्य की स्थिति का अध्ययन करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यहाँ के सामाजिक–आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कारक विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर अलग–अलग प्रभाव डालते हैं। माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसमें मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य भी शामिल होता है। किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों के साथ–साथ तनाव, दबाव, आत्म–सम्मान, सामाजिक व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी सामने आती हैं। इसलिए, इनके स्वास्थ्य की समग्र रूप से समझ और तुलना करना आवश्यक है ताकि उनके विकास में आने वाली बाधाओं का पता चल सके और समाधान खोजा जा सके। मुरादाबाद जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले किशोर विद्यार्थियों की स्वास्थ्य स्थिति में भिन्नता हो सकती है, जो कि उनके परिवारिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति, खान–पान की आदतें, शैक्षिक वातावरण और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर करती है। इसलिए इस क्षेत्र में तुलनात्मक अध्ययन से यह पता चलेगा कि किन–किन कारणों से स्वास्थ्य में अंतर आता है और किन विद्यार्थियों को विशेष सहायता की आवश्यकता है। इससे न केवल स्वस्थ वातावरण बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों में भी सुधार होगा क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य सीधे उनकी सीखने की क्षमता और प्रदर्शन से जुड़ा है।

इसके अतिरिक्त, किशोरावस्था में स्वास्थ्य की देखभाल करना भविष्य में स्वस्थ वयस्कता के लिए भी आवश्यक है। यदि इस समय स्वास्थ्य की अनदेखी होती है, तो यह अनेक दीर्घकालीन बीमारियों और मानसिक समस्याओं का कारण बन सकती है। इसलिए, माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन कर उनके लिए उपयुक्त स्वास्थ्य नीतियाँ, कार्यक्रम और जागरूकता अभियान विकसित किए जा सकते हैं। इससे न केवल उनकी वर्तमान जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि समाज में स्वस्थ और सशक्त नागरिक भी तैयार होंगे। अतः, मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन आवश्यक है ताकि उनकी समग्र भलाई सुनिश्चित की जा सके, सामाजिक एवं शैक्षिक विकास को प्रोत्साहित किया जा सके और एक स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण किया जा सके। यह अध्ययन नीति निर्माताओं, शिक्षकों, अभिभावकों और स्वास्थ्य कर्मियों को मार्गदर्शन प्रदान करेगा जिससे वे उचित कदम उठा सकें और किशोरों के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करा सकें।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

- कौर, मनीषा (2020) ने किशोरों में खान–पान की आदतें और उनका स्वास्थ्य पर प्रभावरू एक तुलनात्मक अध्ययन किया। इस शोध में विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि के किशोरों के खान–पान की आदतों और उनके स्वास्थ्य पर प्रभावों का अध्ययन किया गया। आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के किशोरों में पोषण की कमी अधिक देखी गई।
- देसाई, अनिल (2021) ने लिंग आधारित स्वास्थ्य समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन : माध्यमिक विद्यालय स्तर पर किया। इस शोध में लड़कों और लड़कियों के स्वास्थ्य संबंधित बीमारियों जैसे कि एनीमिया, त्वचा रोग, एवं मांसपेशीय समस्याओं की तुलना की गई। लड़कियों में पोषण सम्बंधित समस्याएँ अधिक पाई गईं जबकि लड़कों में खेल–कूद से संबंधित चोटों की संभावना अधिक थी।
- शर्मा, आर. (2021) ने *माध्यमिक विद्यालय के किशोरों में स्वास्थ्य सम्बंधित जागरूकता और व्यवहार* पर अध्ययन किया। इस अध्ययन में उत्तर भारत के तीन सरकारी और तीन निजी माध्यमिक विद्यालयों के 500 किशोरों के स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार की तुलना की गई। निष्कर्षों में पाया गया कि निजी विद्यालय के छात्र स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता और स्वच्छता के प्रति अधिक सजग थे।

- सिंह, प्रिया एवं वर्मा, दीपक (2022) ने *शहरी और ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के किशोरों के शारीरिक स्वास्थ्य की तुलनात्मक अध्ययन* किया। इस शोध में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के 600 विद्यार्थियों के बीएमआई, पोषण स्तर, तथा शारीरिक व्यायाम की आदतों की तुलना की गई। अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी पोषण की दृष्टि से कमजोर पाए गए, जबकि शहरी छात्र तनाव और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से अधिक प्रभावित थे।
- श्रीवास्तव, राजेश (2023) ने स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन किया। यह शोध सरकारी और निजी माध्यमिक विद्यालयों में लागू स्वास्थ्य कार्यक्रमों की तुलना करता है। निजी विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा और जांच बेहतर और प्रभावी पाई गई, जबकि सरकारी विद्यालयों में संसाधनों की कमी का असर देखा गया।
- कुमारी, सुमन (2023) ने *माध्यमिक विद्यालय के किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच सम्बन्ध* पर अध्ययन किया। इस शोध में किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य (तनाव, चिंता, अवसाद) का अध्ययन किया गया और इसे उनके शैक्षिक प्रदर्शन के साथ जोड़ा गया। परिणामस्वरूप यह पाया गया कि मानसिक स्वास्थ्य के सकारात्मक स्तर वाले छात्र अधिक अच्छे अकादमिक परिणाम प्राप्त करते हैं।
- पांडेय, राकेश एवं शर्मा, सीमा (2024) ने माध्यमिक विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के शारीरिक फिटनेस स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया। यह अध्ययन उत्तर प्रदेश के विभिन्न सरकारी और निजी विद्यालयों में 800 विद्यार्थियों के शारीरिक फिटनेस स्तर की तुलना करता है। परिणाम बताते हैं कि सरकारी विद्यालयों के छात्र शारीरिक फिटनेस में निजी विद्यालयों के छात्रों से पीछे हैं।

समस्या कथन

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थिय के स्वास्थ्य का लैंगिक आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाऐं

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का लैंगिक आधार पर सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श

वर्तमान शोध हेतु केवल 320 छात्रो एवं 280 छात्राओं को शामिल किया गया है।

उपकरण

स्वास्थ्य मापने हेतु – डॉ. एन.एन. बिग और द्वारिका प्रसाद के सहयोग से, डॉ. संतोष कुमार वर्मा द्वारा निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पनाओं का परिभाषीकरण

तालिका संख्या – 1

मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय छात्र एवं छात्राओं के स्वास्थ्य का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
छात्र	320	84ण्78	20ण्46	1ण्86	,,,
छात्राऐं	280	83ण्36	17ण्36		

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या :–

तालिका संख्या 1 में मुरादाबाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में किशोर लड़के और लड़कियों को तालिका में दिखाया गया है, जो उनकी स्वास्थ्य स्थिति को दर्शाता है। टेबल के अनुसार, मुरादाबाद जिले के माध्यमिक विद्यालयों में किशोर लड़कों के लिए माध्य और मानक विचलन क्रमशः 84.78 और 20.46 है। किशोर लड़कियों के लिए, संबंधित संख्या 83.36 और 17. 36 है। दो डेटा सेटों के बीच, महत्वपूर्ण अनुपात 1.86 निकलता है, जो 0.05 और 0.01 महत्व की सीमाओं से कम है। महत्व के निम्न स्तर के कारण, हम यह निष्कर्ष नहीं निकाल सकते कि दोनों समूहों के बीच पर्याप्त अंतर है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मुरादाबाद क्षेत्र में

माध्यमिक विद्यालयों में भाग लेने वाले किशोर लड़कों का स्वास्थ्य उनके लिंग के आधार पर महत्वपूर्ण रूप से भिन्न नहीं होता है।

निष्कर्ष

1. मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का लैंगिक आधार पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- शर्मा, आर. (2021). माध्यमिक विद्यालय के किशोरों में स्वास्थ्य सम्बंधित जागरूकता और व्यवहार. दिल्ली : शिक्षा विज्ञान प्रकाशन।
- सिंह, प्रिया, एवं वर्मा, दीपक. (2022). शहरी और ग्रामीण माध्यमिक विद्यालयों के किशोरों के शारीरिक स्वास्थ्य की तुलनात्मक अध्ययन, भारतीय बाल स्वास्थ्य जर्नल, 15(3), 125–138.
- कुमारी, सुमन. (2023). माध्यमिक विद्यालय के किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच सम्बन्ध, शैक्षिक मनोविज्ञान समीक्षा, 10(1), 45–62.
- देसाई, अनिल. (2021). लिंग आधारित स्वास्थ्य समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन माध्यमिक विद्यालय स्तर पर. स्वास्थ्य और शिक्षा पत्रिका, 8(4), 75–89.
- पांडेय, राकेश, एवं शर्मा, सीमा. (2024). माध्यमिक विद्यालयों में छात्र–छात्राओं के शारीरिक फिटनेस स्तर का तुलनात्मक अध्ययन. भारतीय खेल विज्ञान जर्नल, 12(2), 88–101.
- कौर, मनीषा. (2020). किशोरों में खान–पान की आदतें और उनका स्वास्थ्य पर प्रभावरू एक तुलनात्मक अध्ययन. पोषण और स्वास्थ्य अनुसंधान, 5(3), 33–47.
- श्रीवास्तव, राजेश. (2023). स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का तुलनात्मक अध्ययन. शिक्षा और स्वास्थ्य अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 9(1), 112–126.

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

Cite this Article:

डा0 देवेन्द्र कुमार, **"मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन"** *The Research Dialogue,* An Online Quarterly Multi-Disciplinary Peer-Reviewed & Refereed National Research Journal, *ISSN: 2583-438X (Online), Volume 4, Issue 2, pp.155-163, July 2025. Journal URL: https://theresearchdialogue.com/*

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed & Refereed National Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-04, Issue-02, July-2025
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number July-2025/15
Impact Factor (RPRI-4.73)

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

डा0 देवेन्द्र कुमार

for publication of research paper title

"मुरादाबाद जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरवय विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन"

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and

E-ISSN: 2583-438X, Volume-04, Issue-02, Month July, Year-2025.

Dr. Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com

INDEXED BY